Name of the branch	Date of occurence	Date of detection	Modus Operandi	Whether reported to Police/RBI	Whether laid down norms followed	Action taken against delinquent officials
			aggregate amount of Rs.2.90 lakhs.			suspended.
Chandni Chowk	Between 12.6.96 and 14.6.96	18.6.96	Culprits got cheque requisition slip printed and obtained a cheque book with forged signatures. Three cheques from this book were encashed for an aggregate amount of Rs.0.80 lakhs in June 96. Internal investigation by the bank is in progress.	Bank has instructed its controlling office to lodge a complaint with the police immediately.	Not yet ascertained since the investigation is in progress.	This aspect will be looked into after the completion of investigation.

प्राथमिकता वाले क्षेत्र में दिये जाने वाले ऋणों में कमी

272. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 28 फरवरी, 1996 के दैनिक समाचार पत्र "बिजनेस स्टैंडर्ड" में "स्पीज 100 करोड़ ड्रॉप इन प्राइओरिटी सेक्टर" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि वित्तीय वर्ष 1995-96 के दौरान देश के वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिये निर्धारित प्रतिशत के अनुरूप ऋण वितरित नहीं किया जा सका है;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं;

(घ) वित्तीय वर्ष 1995-96 के दौरान प्राथमिकता वाले क्षेत्र के अंतर्गत कृषि, उद्योग, छोटे व्यापारिक संस्थानों आदि को ऋण के रूप में कितनी-कितनी धनराशि दी गयी है; और

(ङ) यह धनराशि वर्ष 1994-95 के दौरान इन क्षेत्रों को ऋण के रूप में दी गई धनराशि की तुलना में कितनी है?

वित्त मंत्री तथा कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) जी, हां।

(ख) से (ङ) वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को उधार देने के लिए लक्ष्य नीचे दिए गए हैं:—

(i) सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंक

कुल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	कुल बैंक ऋण (एन बी सी) का 40 प्रतिशत
कृषि अग्रिम	एन बी सी का 18 प्रतिशत
कमजोर वर्गों को अग्रिम	एन बी सी का 10 प्रतिशत

(ii) भारत में कार्य कर रहे विदेशी बैंक

कुल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रीम	एन बी सी का 32 प्रतिशत
लघु उद्योगों (एस एस आई) को अग्रिम निर्यात ऋण	एन बी सी का 10 प्रतिशत
	एन बी सी का 10 प्रतिशत

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मार्च, 1995 और मार्च, 1996 के अंतिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार प्राथमिक क्षेत्र को ऋण देने के लिए

सरकारी क्षेत्र, गैर सरकारी क्षेत्र और विदेशी बैंकों का बैंक-समूह-वार कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है:—

(बकाया राशि, करोड़ रुपए)

	मार्च 1995	मार्च 1996
(I) **सरकारी क्षेत्र के बैंक**		
(1) कुल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	61794	69609
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	36.56	37.75
(ii) कुल कृषि अग्रिम	23513	26351
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	13.91	14.29
(iii) एस एस आई को अग्रिम	25843	29482
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	15.29	16.18
(iv) अन्य प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	12439	13751
(v) कमजोर वर्गों को अग्रिम	13918	15579
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	8.23	8.45
(2) **गैर सरकारी क्षेत्र के बैंक**	**मार्च, 1995**	**सितम्बर, 1995**
(i) कुल प्राथमिक क्षेत्र अग्रिम	4064	4202
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	29.97	32.97
(ii) कुल कृषि अग्रिम	816	885
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	5.32	6.17
(iii) कमजोर वर्गों को अग्रिम	339	348
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	2.5	2.73
(3) **भारत में कार्यरत विदेशी बैंक**	**मार्च 1995**	**मार्च 1996**
(i) कुल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	4058	5417
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	38.5	39.0
(ii) लघु उद्योगों को अग्रिम	1144	1519
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	11.0	11.0
(iii) निर्यात ऋण	2999	4112
एन बी सी की तुलना में प्रतिशत	28.5	29.0

समग्र प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम के साथ-साथ विभिन्न उप-क्षेत्रों में मार्च 1995 की तुलना में मार्च, 1996 में वृद्धि हुई है।

*नवीनतम उपलब्ध आंकड़े।